सर्वमंगलमांगल्ये

Sarva Mangala Mangalye • श्लोक • देवनागरी

सर्वमङ्गलमाङ्गल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके।
शरण्ये त्र्यम्बके गौरि नारायणि नमोऽस्तु ते॥

रचना / पाठ-परंपरा: देवीमाहात्म्य, अध्याय ११; नारायणी स्तुति
पारंपरिक पाठ; वर्तनी और पाठांतर संभव हैं।